

फेक न्यूज़ पर अंकुश

>

यह एडिटरियल 18/02/2023 को इंडियन एक्सप्रेस में प्रकाशित "Stronger laws to curb fake news" लेख पर आधारित है। इसमें 'फेक न्यूज़' के मुद्दे और इस पर अंकुश के तरीकों के बारे में चर्चा की गई है।

संदर्भ

इंटरनेट युग में फर्ज़ी ख़बरों या 'फेक न्यूज़' (Fake News) का उभार एक नई सामाजिक बुराई के रूप में हुआ है जो हमें परेशान कर रही है।

- हाल ही में एक फर्ज़ी वीडियो का प्रसार हुआ जिसमें दखिा कतिमलिनाडु में एक प्रवासी मज़दूर पर हमला किया जा रहा है।
- मौजूदा स्थिति पर चिन्ता तमलिनाडु सरकार ने अपने संदेश में कहा कि जो लोग यह अफवाह फैला रहे हैं कतिमलिनाडु में प्रवासी श्रमिकों पर हमला किया जा रहा है, वे भारतीय राष्ट्र के वरिद्ध हैं और वे देश की अखंडता को हानि पहुँचा रहे हैं।
- [राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो](#) के अनुसार वर्ष 2020 में भारतीय दंड संहिता (IPC) की धारा 505 के तहत 'फर्ज़ी/झूठी ख़बर/अफवाह का प्रसार' करने वाले लोगों के वरिद्ध दरज मामलों की संख्या में 214% की वृद्धि हुई।
- भारत में फेक न्यूज़ के वरिद्ध सुदृढ़ कानूनों की ज़रूरत है, जबकि मीडिया संगठनों द्वारा तथ्य-परीक्षण (fact-checking) को एक नियमिा अभ्यास के रूप में अपनाने और अधिक से अधिक जन जागरूकता का सृजन करने की आवश्यकता है।

भारत में फेक न्यूज़ पर अंकुश लगाने की राह की चुनौतियाँ

- नमिन डजिटल साक्षरता:**
 - भारत की डजिटल साक्षरता दर (Digital Literacy Rate) अभी भी कम है, जिससे फेक न्यूज़ का प्रसार आसान हो जाता है, क्योंकि लोगों के पास प्रायः समाचार स्रोतों की प्रामाणिकता को सत्यापित करने का कौशल नहीं होता है।
 - [Oxfam की 'इंडिया इनइकवलिटी रिपोर्ट 2022: डजिटल डिविड' के अनुसार, देश की लगभग 70% आबादी डजिटल सेवाओं के लयि कनेक्टविटी के अभाव या खराब कनेक्टविटी की स्थिति रखती है।](#)
 - नरिधनतम 20% परिवारों में से केवल 2.7% के पास कंप्यूटर और 8.9% के पास इंटरनेट की सुविधा है।
- राजनीतिक उपयोग:**
 - भारत में राजनीतिक उद्देश्यों के लयि, वशिषकर चुनावों के दौरान, फेक न्यूज़ का प्रायः उपयोग किया जाता है। राजनीतिक दल जनमत में हेरफेर के लयि फेक न्यूज़ का उपयोग करते हैं, जिससे उनके प्रसार को नयितरिा करना चुनौतीपूर्ण हो जाता है।
- सीमिति तथ्य-परीक्षण अवसंरचना:**
 - भारत में तथ्य-परीक्षण अवसंरचना सीमिति है और कई मौजूदा तथ्य-परीक्षण संगठन (PIB तथ्य-परीक्षण इकाइयाँ) आकार में छोटे हैं तथा वरिधतपोषण की कमी का सामना कर रहे हैं।
- दंड का अभाव:**
 - वरतमान में भारत में फेक न्यूज़ के प्रसार के लयि कठोर दंड का अभाव है, जिससे लोगों को फेक न्यूज़ सृजन और प्रसार से भय दखिाकर रोकना कठिन हो जाता है।
- सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की असपष्टता:**
 - सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म तेज़ी से सार्वजनिक वमिर्श का प्राथमिक आधार बनते जा रहे हैं, जनि पर मुट्ठी भर लोगों का अत्यधिक नयित्रण है।
 - भ्रामक सूचनाओं पर अंकुश लगाने में सबसे बड़ी बाधाओं में से एक है सोशल मीडिया मंचों द्वारा पारदर्शिता की कमी।
 - ये मंच कुछ प्रकार की सूचना का खुलासा करते भी हैं तो डेटा को प्रायः इस तरीके से प्रसुत नहीं किया जाता है जो आसान वशि्लेषण की सुविधा प्रदान करता हो।
- अनामकितता या पहचान की गुप्तता (Anonymity):**
 - पहचान की गुप्तता का सर्वप्रमुख कारण है प्रतशिधी सरकारों के वरिद्ध सच बोलने में सक्षम होना या ऑनलाइन वयक्त वचिारों को ऑफलाइन दुनिया में वास्तविक वयकर्ता से संबद्ध कयि जाने से बचना।

- बनिा कसिी असुरक्षा के लोडू डू अडने वडार साङुा कर सकने डें डद करने के डवजूद, डह इस अरुथ डें अडकि हानकिरता है कडि लूड डनल कुडई डरणिडड डुडते डुरडडक सूडनलडू कल डुरसर कर सकते हैं ।

इस संबंघ डें की गई डुरडुख डहलें

■ सूडनल डुरडूडडूडूडूडू (डधडसुथ डशलनरिडेश डूर डडिडल डीडडडल अडार संहति) नडड, 2021:

- सूडनल डुरडूडडूडूडूडू (डधडसुथ डशलनरिडेश डूर डडिडल डीडडडल अडार संहति) नडड, 2021 डुरसुतलव करतल है कडि डुरेस सूडनल डूडूरू (PIB) की तथूड-डुरीकुषण इकलई डवलरल तथूड-डुरीकुषण कडड डूर डसडें डुरडडक डल डूडे डल डूर कंटेंट कु सुशल डीडडडल ड्लेटडूरुड से हडलनल डलवशूडक है ।
- इस नडड कल उदुडेशूड सुशल डीडडडल ड्लेटडूरुड डर डेक नूडूडू डूर डुरडडक सूडनलडू के डुरसर डर अंकुश लडडनल है ।

■ आईडी अधनडडड 2008:

- आईडी अधनडडड 2008 की धलरल 66D इलेकुररूडनक संचलर से संबंघति अडरलडू कु नरूडतुरतड करतल है ।
- इसडें संचलर सेवलडू अल सुशल डीडडडल ड्लेटडूरुड के डलधूड से अडडतुडडनक संडेश डेडने डले वूडकुतूडडू कु डंडतड करनल शलडल है । इस अधनडडड कल उडडूडूडू इलेकुररूडनक संचलर के डलधूड से डेक नूडूडू डैललने डले लूडू कु डंडतड करने के लडड कडडल डल सकतल है ।

■ अडडल डुरडूडन अधनडडड 2005:

- अडडल डुरडूडन अधनडडड 2005 डूर डहडलरल रूड अधनडडड, 1897 (वशुडकुर कुडडडड-19 के डूरलन उडडूडूडू सडध हूर) ऐसे डेक नूडूडू डल अडुरलवलू के डुरसर कु नरूडतुरतड करते हैं कु नलडरकुडू डें डहशत डैडल कर सकते हैं ।

■ डुरलरूड डंड संहति, 1860:

- डह डंगू कल कलरण डनने डलल डरुऑू खडरू डूर डलनहलनल कल कलरण डनने डलल सूडनलडू कु नरूडतुरतड करतल है । इस डकुर कल इसुतेडलल उन लूडू कु उतुतरदलरू डहरलने के लडड कडडल डल सकतल है कु डेक नूडूडू डैलललकर हसल डडकलते है डल कसल के डरतुर कू डडनलड करते है ।

अडू की रलह

■ डीडडडल सलकुषरतल कु डडलवल डेनल:

- डेक नूडूडू कल डुकलडल करने के लडड शकुषल डूर डलडरूकुतल डहतुतुवडूरूण सलधन है । लूडू कु डह सखलडल डलनल डलहडड कल सुरूतू कु कु कुसे सतुडलडडतड कडड डलर, दलवू कल डल तथूड-डुरीकुषण कुसे कडड डलर डूर वशुवसनीड डवं अवशुवसनीड सडलडलर सुरूतू कु डीड कु अंतर कु कुसे सडडू ।

■ कलनूडू कु सशकुत करनल:

- डेक नूडूडू के वरुडध डुरलत डें कुड कलनूड डूडूडू है, लेकनल उनूडें डूर ततुडरतल से ललडू करने की डुरूरत है । तेऑू से वकडडतड हूडे ऑनललइन डीडडडल डरडुशुड कु संबूधतड करने के लडड कलनूडू कु अदुडतन करते रहने की डी डलवशूडकतल है ।

■ डुरडडेदलर डतुरकलरतल कु डुरूतुसलहतड डेनल:

- डतुरकलरू कु नैतकड डलनकुू कल डललन करने डूर अडनल रडूरूडरुड के लडड डवलडडेह हूडे की डलवशूडकतल है । डीडडडल सडूठन डुरडडेदलर डतुरकलरतल डूर तथूड-डुरीकुषण कु डडलवल डेने डें डुरडुख डूडकल नडडल सकते हैं ।

■ सुशल डीडडडल कडनरूडू कु कलरुवलई के लडड डुरूतुसलहतड करनल:

- डेक नूडूडू की डहकलन करने तथल उनूडें हडलने के लडड सुशल डीडडडल डडू कु डूर अडकल सकुरडड हूडे की डुरूरत है । वे डेक नूडूडू की डहकलन करने के लडड अरुडडडडडललल इंटेलऑूस सलधनू कल इसुतेडलल कर सकते हैं डूर नूडूडू सुडूरूऑू कु सतुडलडडतड करने के लडड तथूड-डुरीकुषण सडूठनू के सलथ डललकर कलरुड कर सकते हैं ।

■ तथूड-डुरीकुषणकरतुतल सडूठनू कु डुरूतुसलहतड करनल:

- डूडकुर-डेकलडू सडूठन सडलडलरू की डुरूडरुड करने डूर लूडू कु डेक नूडूडू के डलर डें शकुषतड करने डें डहतुतुवडूरूण डूडकल नडडल सकते हैं । इन सडूठनू कु सरकलर डूर डीडडडल डवलरल डुरूतुसलहतड डवं सडरुथतड कडड डलने की डलवशूडकतल है ।

- डतुर सूडनल कलरुडललड (PIB) की तथूड-डुरीकुषण इकलई ने नवंडर 2019 डें अडनल सुथलडनल के डलड से अब तक डलत सूडनल के 1,160 डलडलू कल डंडलडूड कडडल है ।

■ डुरडडेदलर सुशल डीडडडल उडडूडूडू कु डुरूतुसलहतड करनल:

- वूडकुतूडडू कु अडने सुशल डीडडडल उडडूडूडू के लडड डुरडडेदलरू लेने की डलवशूडकतल है । उनूडें असतुडलडडतड सडलडलरू कु सलङुल करने से डकने डूर ऑनललइन कंटेंट डर ववकडूरूण दूषुकुडूण रखने की डलवशूडकतल है ।

■ अलूकनलतुडक सुकु की संसुकूतल कु डडलवल डेनल:

- सुकुलू डें डूर अड सडलड डें अलूकनलतुडक सुकु कुशल कु डडलवल डेने की डलवशूडकतल है ।

- लूडू कु डडू-सुनल गई डलतू डर सवल डूड सकने डूर सूडनल के वशुवसनीड सुरूतू की तललश के लडड डुरूतुसलहतड कडडल डलनल डलहडड ।

अडडलस डुरशुन: डेक नूडूडू डूर दुषडूरडलर के डुरसर कु डुरडलवी डंग से रूकने की रलह की डुरडुख डूनूतडडू कूडन-सल है; इन डूनूतडडू के सडलधलन के लडड कुडन-सल रणनलतडडू डूर सडलधलन नडडूऑतड कडड डल सकते हैं?

डूरूडससल सवलल सेवल डुरीकुषल, वडडत वरुष के डुरशुन (PYQ)

???

डुर. "डलषण डूर अडवडूडकुतल की सुवतुतुरतल" की अवधलरणल से अड कडल सडडूते है? कडल इसडें अडदुर डलषल डी शलडलल है? डुरलत डें डललडें

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/curbing-fake-news>

